CLASS - VII.A/B
SUB - HIGHER HINDI

Page No :
Date :

CHAPTER - 5 (पहली बूँद)

प्र०- प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

मौखिक -

क) वर्षा की पहली बूँद से धरती की प्रसन्नता किस प्रकार प्रकट होती है?

→ वर्षा की पहली बूँद से धरती पर चारों ओर हरियाली ही हरियाली फैल जाती है। नए अंकुर नए जीवन की अँगड़ाई लेते हुए धरती से फूट पड़ते हैं। धरती को देखने से ऐसा लगता है मानो किसी ने उसके सूखे होठों की प्यास अमृत पिलाकर बुझा दी हो।

ख) वर्षा ऋतु में बादल कैसे दिखाई पड़ते हैं?

→ वर्षा ऋतु में बादल सागर के समान दिखाई पड़ते हैं।

ग) आकाश और बादल को किसके समान बताया गया है?

→ आकाश को नीली-नीली आँखों के समान और बादल को उसकी काली-काली पुतलियों के समान बताया गया है।

घ) कौन पुनः शस्य-श्यामला होने को ललचाई है?

→ बूढ़ी धरती पुनः शस्य-श्यामला होने को ललचाई है।

लिखित

क) पावस ऋतु में निम्नलिखित में क्या-क्या परिवर्तन होते हैं -
(i) धरती (ii) वायु (iii) दूब (iv) पेड़-पौधे (v) पक्षी

→ पावस ऋतु में -

(i) धरती से अंकुर फूटते हैं।
(ii) वायु शीतल और सुगंधित हो जाती है।
(iii) दूब हरी-भरी होकर खुशी से लहलहाने लगती है।
(iv) पेड़-पौधे हरे भरे हो जाते हैं।
(v) पक्षी प्रसन्न होकर मधुर गीत गाते हैं।

ख) धरती को 'बूढ़ी' कहने का क्या तात्पर्य है?

→ धरती को 'बूढ़ी' कहने का यह तात्पर्य है कि वर्षा ना होने के कारण पेड़-पौधे, नदियाँ आदि सूख गई थी। धरती की हरियाली अर्थात् धरती का सौन्दर्य समाप्त हो गया था।

ग) दिए गए अर्थ से संबंधित कविता की पंक्तियाँ लिखिए-

(i) सूखी धरती पर वर्षा की एक बूँद अमृत के समान आकर गिरी।

→ धरती के सूखे अधरों पर,
गिरी बूँद अमृत-सी आकर।

(ii) नीले नयनों-रूपी आकाश में काले बादल काली पुतलिय
के समान प्रतीत हो रहे हैं।

→ नीले नयनों-सा यह अंबर,
काली-पुतली से ये जलधर।

प्र.- पठित पद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -
आसमान में उड़ता सागर
लगा बिजलियों के स्वर्णिम पर,
बजा नगाड़े जगा रहे हैं
बादल धरती की तरूणाई।
पहली बूँद धरा पर आई।

Date :

नीले नयनों - सा यह अंबर
काली - पुतली से ये जलधर
करुणा - विगलित अश्रु बहाकर
धरती की चिर प्यास बुझाई।

प्रश्न -

(i) बिजली के परों को स्वर्णिम क्यों कहा गया है?

⇒ बिजली के परों को स्वर्णिम इसलिए कहा गया है क्योंकि बिजली जब चमकती है तो सोने के समान सुनहरी प्रतीत होती है।

(ii) बादल धरती की तरुणाई को कैसे जगा रहे हैं?

⇒ बादल धरती की तरुणाई को गरज - गरज कर जगा रहे हैं।

(iii) अंबर और जलधर की तुलना किससे की गई है?

⇒ अंबर की तुलना नीले नयनों से और जलधर की तुलना काली पुतली से की गई है।

(iv) धरती की प्यास किसने बुझाई?

⇒ धरती की प्यास वर्षा ऋतु ने बुझाई।

प्र. - सही उत्तर पर ✓ लगाइए -

क) पहली बूँद के धरा पर आने का क्या प्रभाव पड़ा?

⇒ अंकुर फूट पड़े।

ख) 'वसुंधरा की रोमावलि' किसे कहा गया है?

→ हरी दूब को

ग) पहली बूँद के धरा पर आने से बूढ़ी धरती के मन में क्या इच्छा उठी?

→ शस्य - श्यामला बनने की

भाषा से

प्र.1 नीचे लिखे शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए-

धरती - धरा, भूमि

सागर - समुद्र, सिंधु

वर्षा - बारिश, वृष्टि

आकाश - अम्बर, आसमान

बादल - मेघ, जलधर

नयन - आँख, नेत्र

प्र.2 X

प्र.3 नीचे लिखे शब्दों के तत्सम रूप लिखिए-

आँसू - अश्रु
प्यास - पिपासा
सुनहरा - स्वर्णिम
नया - नवीन
दिन - दिवस
पहला - प्रथम

Date :

प्र०4 X

प्र०5 X

प्र०6 दिए गए शब्दों के संधि- विच्छेद कीजिए -

पुस्तकालय - पुस्तक + आलय

तथापि - तथा + अपि

परमाणु - परम + अणु

शिवालय - शिव + आलय

महात्मा - महान् + आत्मा

रामावतार - राम + अवतार

— X —